यदि अपने बच्चे में ये विकास चिन्ह दिखाई न दें तो बहरे पन की आशंका हो सकती है । **जल्दी ही स्वास्थ्य कर्मी या डाक्टर से जाँच करवाइए ।**

बहरे पन की जाँच किसी भी उम्र में की जा सकती है । याद रखिए, बच्चे को बातचीत करने में दिक्कत न हो इसके लिए जरूरी है कि बहरे पन की जाँच जल्दी करवाई जाए और उसका तुरन्त उपचार करवाया जाए ।

सुनने और बोलने के विकास चिन्हों पर ध्यान दीजिए और तुरन्त उपचार करवाइए ।

WORLD HEARING FORUM

Adapted from @World Health Organization, WHO/UCN/NCD/SDR 23.2
Translated by Nav Abhiyan, India.
https://www.who.int/health-topics/hearing-loss#tab=tab_1

WORLD HEARING FORUM

बच्चों में सुनने और बोलने के विकास चिह्न

शिशुओं में सुनने और बोलने की सामर्थ्य का मूल्यांकन कुछ सामान्य विकास चिन्हों द्वारा किया जा सकता है । ये संकेत- चिन्ह सुनने की स्वस्थ शक्ति के मानदंड हैं । इनका न होना सुनने की शक्ति में कमी का संकेत हो सकता है ।

चिन्हों पर ध्यान दीजिए और तुरंत कार्यवाही कीजिए ।

सामान्य श्रवण शक्ति वाला बच्चा :

छह मास की आयु में :

- आवाज की दिशा में आँखें घुमाता है
- पा,बा,मा, जैसी ध्वनि निकालता है

तीन मास की आयु में :

- माँ की आवाज पर सिर घुमाता है ।
- आवाजें निकालता है ।

एक वर्ष की आयु में :

- जब कोई नाम लेकर पुकारता है तो उस की ओर मुड़ता है और 'पानी' जैसे सामान्य शब्द को समझता है
- 'मामा' 'दादा' जैसे एक ध्वनि वाले शब्द बोलता है ।

एक वर्ष की आयु में :

- 'वह कौन है' जैसे सीधे प्रश्नों के उत्तर देता है और सीधे आदेशों का पालन करता है जैसे 'खिलौना पकड़ो"
- 'सोना नहीं' एवं 'सेब दो' जैसे दो शब्दों को जोड़ने लगता है

तीन वर्ष की आयु में :

- दो भागों में दिए गए आदेशों का पालन करता है जैसे 'चम्मच लाओ और मेज पर रखो
- चीजों के बारे में बताने के लिए तीन शब्दों को जोड़ लेता है ।

चार वर्ष की आयु :

- परिवार के सदस्यों के नाम, रंग, आकार को समझता है ।
- 'कौन', 'क्या', एवं 'कहाँ' जैसे प्रश्नों के उत्तर देता है ।

पाँच वर्ष की आयु में :

- घर में और स्कूल में जो कुछ कहा जाता है उसे सुनता है ।
- नाम, वर्ण और नंबर बोलता है ।